हिन्दुस्तान एकता

राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक RNI-HRHIN/26/A1127

वर्ष: 07, अंक: 04, पृष्ठ: 04, कैथल, मूल्य: रुपए. 01/- बुधवार 25 मार्च 2026 E-mail: Info@hindustanekta.com

संकट का सामना धैर्य, संयम तैयारी के साथ करें: पीएम मोदी

मेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं।

राज्य सरकारों से अपील: ऐसे संकट के समय में गरीबों पर, श्रमिकों पर बुरा असर पड़ता है। उन्हें पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ मिलता रहे। राज्य सरकार इसके लिए विशेष व्यवस्था करे। ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले, जमाखोरी करने वाले एक्टिव होते हैं। जहां से शिकायतें आती हैं, वहां कार्रवाई कीजिए। संकट कितना भी बड़ा है, भारत की तेज ग्रोथ बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है।

हमें हर जरूरी कदम, हर जरूरी रिफॉर्म तेजी से करते रहने होंगे।

किसानों को मैसेज: सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में किसानों को खाद मिलती रहे।

कसानों को फिर आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें सफलता के लिए राज्यों का सहयोग जरूरी है। राज्यों की सरकार से आग्रह करना चाहता हूं। कोरोना के समय में जैसे अलग-अलग सेक्टर से निपटने के लिए अफसरों के एम्पॉवर्ड ग्रुप बने थे, वैसे ही कल 7 एम्पॉवर्ड ग्रुप बनाए गए हैं। ये ग्रुप सप्लाई चेन, पेट्रोल-डीजल, फर्टिलाइजर, गैस, महंगाई जैसे विषयों पर त्वरित और दूरगामी रणनीति के तहत कार्रवाई करेगी।

राज्य सरकार कालाबाजारी-जमाखोरी पर एक्शन लें: पीएम

पीएम ने कहा कि भारत डिप्लोमेसी के जरिए युद्ध के इस माहौल में भी जहाजों के सतत आवागमन के लिए प्रयास कर रहा है। देश-विदेश में भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। जंग शुरू होने से अब तक 3 लाख 75 हजार से ज्यादा भारतीय देश लौट चुके हैं। ईरान से एक हजार से ज्यादा भारतीय लौटे हैं। इनमें 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले हैं। सभी देशों ने वहां मौजूद भारतीयों की सुरक्षा का भरोसा दिया है। हमलों के कारण कुछ भारतीयों की मौत हुई है। यह दुखद है।

उनके परिवार को मदद दी जा रही है। जो घायल हैं उन्हें इलाज दिया जा रहा है।ल पीएम ने राज्यों से कहा कि गरीबों और श्रमिकों पर असर कम करने के लिए पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना जारी रखने हेतु सक्रिय कदम उठाएं और विशेष व्यवस्था करें।

शिवालिक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में गरिमामय दीक्षांत समारोह

हिन्दुस्तान एकता। नारायणगढ़

शिवालिक इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल में दीक्षांत समारोह बड़े उत्साह, गर्व और उपलब्धि की भावना के साथ आयोजित किया गया। यह अवसर विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव रहा, जब उन्होंने अपने शैक्षणिक सफर के एक नए अध्याय की ओर कदम बढ़ाया। समारोह का शुभारंभ सम्मानित अतिथियों, शिक्षकों और गौरवान्वित अभिभावकों के हार्दिक स्वागत के साथ हुआ। स्नातक गाउन और टोपी पहने विद्यार्थी

गरिमापूर्ण ढंग से मंच पर पहुंचे और अपने प्रमाण पत्र प्राप्त किए, जिससे पूरा वातावरण खुशी, गर्व और यादगार पलों से भर गया।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ईशा शर्मा और अध्यक्ष विक्रांत अग्रवाल ने विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि वे दृढ़ संकल्प, ईमानदारी और मेहनत के बल पर अपने सपनों को साकार करें। शिक्षकों ने भी छात्रों की वर्षों की मेहनत, समर्पण और प्रगति की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया और समारोह को जीवंत व आकर्षक बना दिया। दिन का सबसे खास आकर्षण ह्यटोपी उछालनेह्न की रस्म रही, जो एक सफल पड़ाव के समापन और नए सफर की शुरूआत का प्रतीक बनी।

वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित कलेक्टर रेट जारी

26 मार्च तक आमजन से मांगी आपत्तियां एवं सुझाव: डीसी अपराजिता

कलासो देवी। कैथल

डीसी अपराजिता ने बताया कि हरियाणा सरकार के निदेर्शानुसार जिला प्रशासन द्वारा वर्ष 2026-2027 (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027) के लिए जिले की सभी तहसीलों एवं उप-तहसीलों के प्रस्तावित कलेक्टर रेट जारी कर दिए गए हैं। इन प्रस्तावित दरों पर आमजन से सुझाव एवं आपत्तियां आर्मत्रित की गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कलेक्टर रेट की विस्तृत सूची जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट http://kaithal.gov.in पर उपलब्ध है, जहां कोई भी व्यक्ति दरों का अवलोकन कर सकता है। यदि किसी व्यक्ति को इन दरों पर कोई आपत्ति या सुझाव है, तो वह 26 मार्च 2026 तक अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है।

इसके लिए इच्छुक व्यक्ति जिला राजस्व अधिकारी, कैथल के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर या ई-मेल drok-tl.hry@gmail.com पर अपनी आपत्ति/सुझाव दे सकते हैं। डीसी अपराजिता ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने सुझाव एवं आपत्तियां अवश्य दर्ज करवाएं, ताकि नई कलेक्टर दरें जनहित के अनुरूप तय की जा सकें।

1 सप्ताह तक विशेष अभियान चलाकर किए गए 128 वाहनों के चालान

कैथल। पुलिस महानिरीक्षक यातायात एवं हाईवे हरियाणा के आदेशानुसार, एसपी उपासना के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क हादसों की रोकथाम के उद्देश्य से 16 मार्च से 22 मार्च तक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस टीम द्वारा गलत लेन में वाहन, लाल नीली बत्ती का इस्तेमाल व नशा करके वाहन चलाने वालों तथा प्रेशर हॉर्न व बुलेट बाइक से पटाखे बजाकर या अन्य तरीके से ध्वनि प्रदूषण करने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान गलत लेन में वाहन चलाने के 73, ध्वनि प्रदूषण करने का 2, लाल नीली लाइट इस्तेमाल के 49 तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले 4 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस ने इस दौरान सभी वाहन चालकों को भी यातायात नियमों की पालना करने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने की सख्त हिदायत दी।

सकारात्मक जीवनशैली पर दी जानकारी

कैथल। पुलिस लाइन में पुलिस कर्मियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए तीन दिवसीय योग एवं ध्यान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में योग, प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास करवाया गया तथा तनाव प्रबंधन और सकारात्मक जीवनशैली पर जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से पुलिस कर्मियों की कार्यक्षमता और मनोबल में वृद्धि होती है।

भारत की तरक्की के दो मजबूत स्तंभ– निजी क्षेत्र और करदाता: नवीन जिंदल

कैथल। संवाददाता

कुरुक्षेत्र से सांसद नवीन जिंदल ने लोकसभा में वित्त विधेयक 2026 का जोरदार समर्थन करते हुए इसे देश के भविष्य को दिशा देने वाला परिवर्तनकारी रोडमैप बताया। उन्होंने कहा कि भारत की विकास गाथा करदाताओं और निजी क्षेत्र की संयुक्त शक्ति से संचालित हो रही है और दोनों ही राष्ट्र निर्माण के अहम स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि यह विधेयक केवल वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि किसानों को सशक्त बनाने, युवाओं को अवसर देने, महिलाओं की गरिमा बढ़ाने और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करने का माध्यम है। जिंदल ने कहा, ह्नयह विधेयक किसी एक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य के लिए है और इसके लाभ हर नागरिक तक पहुंचेंगे। निजी क्षेत्र की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि यह देश में 80 प्रतिशत से अधिक रोजगार और 60 प्रतिशत से अधिक जीडीपी में योगदान देता है। आईटी निर्यात 200 अरब डॉलर से पार, फार्मा सेक्टर 200 से अधिक देशों में सेवाएं दे रहा है और भारत में एक लाख से अधिक स्टार्टअप व 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न मौजूद हैं। करदाताओं के प्रति सोच में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि करदाता राष्ट्र निर्माण के भागीदार हैं, न कि संदेह के पात्र। उन्होंने बताया कि जीएसटी करदाताओं की संख्या 1.5 करोड़ से अधिक हो चुकी है और वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा। जिंदल ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की वकालत करते हुए कहा कि इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी और लोगों को स्वस्थ खाद्य प्रणाली मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास का आकलन केवल जीडीपी से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

वित्त विधेयक के प्रावधानों का स्वागत करते हुए उन्होंने संयुक्त कर दाखिल करने की व्यवस्था, कर विवादों के त्वरित समाधान और कर नोटिसों को सरल व पारदर्शी बनाने जैसे सुझाव भी दिए।

मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना: 28 मार्च को अंबाला से अयोध्या के लिए रवाना होगी विशेष ट्रेन

कलासो देवी। कैथल

हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थयात्रा योजना के तहत इस बार श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम की यात्रा करवाई जाएगी, जहां वे भगवान श्रीराम लला के दर्शन कर सकेंगे। इस क्रम में 26 मार्च के स्थान पर अब 28 मार्च को शाम 4 बजे अंबाला से विशेष ट्रेन रवाना की जाएगी, जिसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन चौथे दिन श्रद्धालुओं को वापस लेकर आएगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के रहने, खाने और तीर्थ भ्रमण का पूरा खर्च

हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। कैथल जिले के इच्छुक श्रद्धालु इस ट्रेन में कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन से दोपहर के समय सवार हो सकेंगे।

योजना के लिए पहले से आवेदन किया होना चाहिए: आवेदनकर्ता हरियाणा का निवासी होना चाहिए और उसके पास परिवार पहचान पत्र होना जरूरी है। आवेदक की आयु 80 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए तथा परिवार की वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक निर्धारित है। आवेदनकर्ता अपने जीवनसाथी को निःशुल्क साथ ले जा सकता है, जबकि सहायक को साथ ले जाने पर उसका खर्च स्वयं वहन करना होगा। सहायक के लिए भी पोर्टल पर आवेदन करना जरूरी है। इस योजना का लाभ प्रत्येक व्यक्ति को तीन वर्ष में एक बार ही मिलेगा।

डीसी अपराजिता ने बताया कि जिन आवेदकों ने यात्रा के लिए अपनी सहमति दे दी है, वे निर्धारित समय पर कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर पहुंचें। वहां बनाए गए हेल्प डेस्क से उन्हें यात्रा संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से बीमार और अत्यधिक बुजुर्ग व्यक्तियों को यात्रा पर भेजने से बचें। अधिक जानकारी के लिए श्रद्धालु लघु सचिवालय स्थित डीआईपीआरओ कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

जनगणना 2027: तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न, 38 फील्ड ट्रेनर हुए प्रशिक्षित

कलासो देवी। कैथल

आगामी जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया, जिसमें कुल 38 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया। ये प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स अब आगे प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनगणना के प्रथम चरण के लिए फील्ड स्तर पर फील्ड ट्रेनर्स को तैयार करना था। मास्टर ट्रेनरों द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रतिभागियों को जनगणना के विभिन्न तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया गया। इसमें मकान सूचीकरण, परिवार विवरण संकलन, डिजिटल डेटा एंट्री, मोबाइल ऐप के उपयोग और फील्ड में आने वाली चुनौतियों से निपटने के तरीकों पर विशेष जोर दिया गया। प्रशिक्षुओं को ऐप के माध्यम से डेटा भरने का प्रायोगिक अभ्यास भी कराया गया तथा लोगों से संवाद स्थापित करने के प्रभावी तरीके सिखाए गए। डीसी अपराजिता ने अपने संदेश में कहा कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके आधार पर सरकार की नीतियां और विकास योजनाएं निर्धारित होती हैं। इस प्रक्रिया की सफलता के लिए सटीक और प्रभावी प्रशिक्षण सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। फील्ड ट्रेनर्स की भूमिका विशेष रूप से अहम है, क्योंकि वही आगे जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित करेंगे। जिला जनगणना समन्वय अधिकारी ज्योति राणा ने जानकारी देते हुए बताया कि आगे की प्रक्रिया के तहत ये 38 फील्ड ट्रेनर्स 6 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक चार्ज स्तर (तहसील एवं कार्उसिल स्तर) पर प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने बताया कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य किया जाएगा। इससे पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक नागरिकों को ह्यजनगणना पोर्टलह्न के माध्यम से ऑनलाइन स्व-गणना की सुविधा दी जाएगी। इसके पश्चात दूसरे चरण में फरवरी 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य सम्पन्न होगा।

नारायणगढ़ के डीएवी स्कूल में देशभक्ति की गूंज

नारायणगढ़ । आर्य समाज डीएवी पब्लिक (सी.सै.) स्कूल में महाराणा प्रताप जयंती एवं शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति, वीरता और त्याग की भावनाओं से ओतप्रोत वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर भजनोपदेशक राम निवास आर्य ने शहीदों की अमर गाथा सुनाते हुए श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं मुख्य उपदेशक श्री संजीव वेदालंकार ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके साहस, स्वाभिमान और देशभक्ति को प्रेरणादायक बताया तथा भजनों के

माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ एवं आर्य समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ताओं ने महाराणा प्रताप के अदम्य साहस और राष्ट्रप्रेम पर अपने विचार रखे, वहीं देशभक्ति भजन और भाषणों के माध्यम से शहीदों के बलिदान को याद किया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं आर्य समाज के प्रधान डॉ. आरपी राठी ने कहा कि आज के समय में हर व्यक्ति को महाराणा प्रताप, भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के आदर्शों–देशप्रेम, त्याग और अनुशासन को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस अवसर पर आर्य समाज के रोहित गुप्ता, कोषाध्यक्ष धर्मपाल शास्त्री, मीडिया प्रभारी सोनू स्वामी और विनीता वालिया सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ के साथ किया गया।

अकाल अकादमी ह्नबड़ी में वार्षिक परिणाम उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

पूंडरी। नवदीप

अकाल अकादमी हाबड़ी में वार्षिक परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने के उपलक्ष्य में एक भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से लेकर नौवीं तक के विद्यार्थियों के परिणाम घोषित किए गए। विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया, जिसमें माता-पिता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम का आनंद उठाया। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा एक आकर्षक साइंस प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें विभिन्न वैज्ञानिक मॉडलों

और नवाचारों को प्रस्तुत किया गया। बच्चों ने अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन करते हुए फूड स्टॉल भी लगाए, जहां विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन उपलब्ध कराए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्या गुरप्रीत कौर ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ को बधाई दी। उन्होंने अपने संदेश में विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत करने, अनुशासन बनाए रखने और जीवन में उच्च लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।यह आयोजन विद्यालय के सर्वांगीण विकास और विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

कैथल में एलपीजी सिलेंडर की स्थिति सामान्य, अफवाहों से बचें: ज्योति सैनी

कैथल। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी जिला कैथल की अध्यक्ष ज्योति सैनी ने एलपीजी सिलेंडर की उपलब्धता को लेकर आमजन को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की स्थिति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट में न आएं।

ज्योति सैनी ने बताया कि सरकार द्वारा एलपीजी से जुड़ी अनियमितताओं पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा में कालाबाजारी और अवैध उपयोग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक 8 एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें 52 आरोपियों

की संलिप्तता सामने आई है और 825 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की सुविधा और सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या शिकायत मिलने पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

विधायक सतपाल जाम्बा ने 1.14 करोड़ से अधिक के कार्यों का किया उद्घाटन व शिलान्यास

पूंडरी। पूंडरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आज विकास को नई दिशा देते हुए विधायक सतपाल जाम्बा ने 1 करोड़ 14 लाख से अधिक की लागत से अनेक जनहितकारी परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इन कार्यों से क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूती मिलेगी और आमजन के जीवन स्तर में सुधार होगा। कार्यक्रम के दौरान विधायक ने गांव टयोंठा में पार्क निर्माण एवं वाल्मीकि श्मशान घाट में शेड निर्माण कार्य (16.5 लाख), गांव रसीना में महिला मंडल के लिए हॉल निर्माण कार्य (?25 लाख), रसीना में पार्क का शिलान्यास एवं बाईपास का उद्घाटन (37.78 लाख), गांव सांच में पार्क तथा परशुराम भवन में टॉयलेट, बाथरूम व शेड निर्माण कार्य (17.5 लाख) तथा गांव हाबड़ी में पार्क एवं कश्यप चौपाल

निर्माण कार्य (17.5 लाख) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। लोगों ने विधायक का गर्मजोशी से स्वागत किया और विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

विधायक सतपाल जाम्बा ने अपने संबोधन में कहा: जनसेवा ही हमारा संकल्प है और विकास ही हमारी पहचान। हमारा प्रयास है कि पुंडरी क्षेत्र का हर गांव बुनियादी सुविधाओं से सुसज्जित हो। पार्क, सामुदायिक भवन और अन्य सुविधाएं गांवों के सामाजिक जीवन को मजबूत बनाती हैं और लोगों को बेहतर वातावरण प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। विधायक ने यह भी कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनता को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके। क्षेत्रवासियों ने विधायक की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लगातार हो रहे विकास कार्यों से पुंडरी विधानसभा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ग्रामीणों ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे।

संपादकीय

तैयारी ही विजय है: वैश्विक संकट में भारत का नेतृत्व मंत्र

जब वैश्विक क्षितिज पर युद्ध और अनिश्चितता के काले बादल मंडराने लगते हैं, तब किसी राष्ट्र की असली पहचान उसके साहस, तैयारी और दूरदर्शी नेतृत्व से होती है। लोकसभा में प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम एशिया की गंभीर स्थिति पर दिया गया संदेश इसी शक्ति और संकल्प का जीवंत उदाहरण है। उनका संबोधन केवल एक सामान्य चेतावनी नहीं था, बल्कि पूरे राष्ट्र को सतर्क, संगठित और सशक्त बनाने वाला दृढ़ आह्वान था। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में संकेत दिया कि यह संघर्ष सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके प्रभाव पूरी दुनिया को प्रभावित करेंगे। ऐसे निर्णायक समय में भारत को कोविड काल जैसी अनुशासित एकजुटता, सजगता और मजबूत तैयारी के साथ आगे बढ़ना होगा, ताकि हर चुनौती को अवसर में बदला जा सके और राष्ट्र की प्रगति अविरल बनी रहे। पश्चिम एशिया का यह संघर्ष महज राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि एक गहराते वैश्विक आर्थिक और ऊर्जा संकट की चेतावनी भी है। भारत जैसे तेजी से उभरते राष्ट्र के लिए यह स्थिति अत्यंत निर्णायक बन जाती है, क्योंकि ऊर्जा ही विकास की धुरी है। ऐसे संवेदनशील समय में प्रधानमंत्री ने जिस आत्मविश्वास के साथ देश को आश्वस्त किया, वह सरकार की दूरदर्शिता और ठोस रणनीति का प्रमाण है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीते वर्षों में उठाए गए मजबूत और समयोचित कदम आज भारत को इस वैश्विक संकट के प्रभाव से सुरक्षित रखने में सक्षम हैं। ऊर्जा आपूर्ति को स्थिर और सुरक्षित बनाए रखने के लिए अपनाई गई नीतियां अब अपनी प्रभावशीलता सिद्ध कर रही हैं, जो यह दशार्ती हैं कि सही समय पर लिए गए निर्णय भविष्य की बड़ी चुनौतियों को काफी हद तक नियंत्रित कर सकते हैं। ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति आज उसकी सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। आयात के स्रोतों का विस्तार कर उन्हें अनेक देशों तक फैलाना एक ऐसी रणनीति रही है, जिसने देश को किसी एक क्षेत्र पर निर्भर रहने से मुक्त कर दिया है। वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में यह नीति भारत के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध हो रही है। इसके साथ ही, देश की रिफाइनरियां पूरी क्षमता से संचालित हो रही हैं और पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी है। सामरिक पेट्रोलियम भंडार का निर्माण इस दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरगामी कदम है, जिसने आपातकालीन परिस्थितियों में भारत को आत्मनिर्भर और मजबूत बनने की नई शक्ति प्रदान की है। घरेलू स्तर पर एलपीजी और अन्य आवश्यक ईंधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव के बावजूद आम नागरिकों को राहत पहुंचाना एक बड़ी उपलब्धि है, जो सरकार की जनहितकारी सोच को दशार्ता है। कोविड काल के कठिन समय में जिस प्रकार आवश्यक वस्तुओं को नियंत्रित कीमतों पर उपलब्ध कराया गया था, उसी संवेदनशील और जिम्मेदार नीति को आज भी प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। किसानों और आम परिवारों को आर्थिक दबाव से बचाना केवल एक नीति नहीं, बल्कि सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह स्पष्ट करता है कि देश के विकास के साथ-साथ जनकल्याण को भी समान और सर्वोच्च महत्व दिया जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां आज केवल प्रगति की कहानी नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुकी हैं। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जैव ईंधन के तीव्र विस्तार ने देश को पारंपरिक ईंधनों की निर्भरता से बड़ी हद तक मुक्त कर दिया है। इथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की नीति ने एक ओर जहां विदेशी मुद्रा की भारी बचत सुनिश्चित की है, वहीं दूसरी ओर किसानों को आय के नए और स्थायी स्रोत प्रदान किए हैं। इसके साथ ही, रेलवे के तीव्र विद्युतीकरण और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन ने ऊर्जा के वैकल्पिक साधनों को नई गति दी है।

'लाइफ इन स्लाइसेज' जीवन के विविध रंगों की संवेदनशील प्रस्तुति

'आभार हमेशा मनोवृत्ति से बेहतर होता है' जैसे सारगर्भित विचार से आरंभ होने वाली पुस्तक ह्लाइफ इन स्लाइसेजह्व जीवन के अनेक उतार-चढ़ावों को सरल और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। यह कृति हमारे दैनिक अनुभवों, भावनात्मक संघर्षों और आत्म-विकास की यात्रा को 50 विभिन्न विषयों के माध्यम से सामने लाती है।

लेखिका शाहीन काजी ने पुस्तक में अपने व्यक्तिगत अनुभवों को भी शामिल किया है, जिससे पाठक को विषयों को समझने में सहजता मिलती है और एक आत्मीय जुड़ाव महसूस होता है। पुस्तक का मुख्य भाव यह है कि जीवन एक ह्यस्लाइसह्न की तरह है—जिसमें कभी मिठास है, कभी कड़वाहट, तो कभी खट्टापन और तीखापन। यह हम पर निर्भर करता है कि हम किस अनुभव को कैसे स्वीकार करते हैं और उससे क्या सीखते हैं।

पुस्तक में दिए गए विचार अत्यंत व्यावहारिक और प्रेरणादायक हैं, जैसे: बाहरी परिस्थितियां हमारे नियंत्रण से बाहर होती हैं।
पूर्णता का आग्रह व्यर्थ है।
हर अनुभव सीखने और आगे बढ़ने का अवसर देता है।
एक सकारात्मक निर्णय जीवन को बदल सकता है।
दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार, विनम्रता तथा सराहना का महत्व।

'लाइफ इन स्लाइसेज' न केवल एक आत्म-सहायता पुस्तक है, बल्कि यह जीवन को समझने और उसे बेहतर दृष्टिकोण से देखने का मार्ग भी प्रदान करती है। यह पुस्तक पाठकों को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती है और उन्हें अपने जीवन के प्रति अधिक सकारात्मक एवं जागरूक बनाती है। अमेजन पब्लिशिंग प्रो द्वारा प्रकाशित यह पुस्तक किंडल प्रारूप में भारत में उपलब्ध है, जबकि इसका पेपरबैक और हार्डकवर संस्करण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध है।

निष्कर्ष: 'लाइफ इन स्लाइसेज' उन पाठकों के लिए एक उपयोगी और प्रेरक कृति है, जो जीवन के विभिन्न अनुभवों को समझकर स्वयं को बेहतर बनाना चाहते हैं।

पश्चिम बंगाल का भवानीपुर बना आगामी विधानसभा चुनावी रण

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उसी मुकाबले की ओर बढ़ती दिख रही है जिसने 2021 के विधानसभा चुनाव को राष्ट्रीय स्तर पर सबसे चर्चित बना दिया था. मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के सामने एक बार फिर खड़े हैं उनके पूर्व सहयोगी से सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बने सुवेंदु अधिकारी, फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार लड़ाई नंदीग्राम में नहीं बल्कि कोलकाता के सबसे प्रतिष्ठित और राजनीतिक रूप से संवेदनशील विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में हो रही है. साल 2026 के विधानसभा चुनाव में भवानीपुर सीट को सिर्फ एक सामान्य सीट नहीं, बल्कि पूरे चुनाव की दिशा तय करने वाली सीट माना जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मुकाबला सिर्फ एक सीट का नहीं, बल्कि बंगाल की सत्ता की प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है. बहरहाल इस बार भवानीपुर का मुकाबला महज एक सीट की जंग नहीं, बल्कि बंगाल की सबसे बड़ी ह्यसियासी डर्बी'(कोलकाता की दो मशहूर कट्टर प्रतिद्वंद्वी टीम मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच होने वाले मैच को कोलकाता डर्बी कहा जाता है।)

पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध भू-राजनीति का एक बदलता आयाम

डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी

दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य हमेशा दो परमाणु-संशस्त्र पड़ोसियों: पाकिस्तान और भारत के बीच डगमगाते अस्थिर संबंधों से प्रभावित रहा है। दोनों राष्ट्र, ऐतिहासिक दुश्मनियों और जटिल राष्ट्रीय हितों से प्रेरित, खुद को एक संवेदनशील मोड़ पर पाते हैं। उपमहाद्वीप पर परमाणु संघर्ष का डर बड़ा है, जो इस क्षेत्र में विविध राजनीतिक, धार्मिक, और आर्थिक तनावों के बीच शांति की नाजुकता को स्पष्ट करता है। इस निबंध में, हम पाकिस्तान और भारत के बीच संभावित परमाणु युद्ध की गंभीर संभावनाओं, चुनौतीपूर्ण अड़चनों, और दूरगामी परिणामों की जांच करते हैं, उन चिंताजनक वास्तविकताओं को उजागर करते हैं जो तत्काल अंतरराष्ट्रीय ध्यान की मांग करती हैं। इस भू-राजनीतिक संकट के केंद्र में गहराई से निहित कश्मीर विवाद है। 1947 से, इस क्षेत्र पर क्षेत्रीय विवाद ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धों और झड़पों की एक श्रृंखला को उत्पन्न किया है, जिससे कूटनीतिक समाधान अत्यंत भयावह हो गए हैं। दोनों राष्ट्रों की परमाणु क्षमताएँ, पाकिस्तान का सामरिक परमाणु हथियारों का विकास और भारत का मजबूत परमाणु भंडार, इस संघर्ष में एक खतरनाक आयाम जोड़ते हैं। निरोध के लिए की गई अपेक्षाएँ अक्सर एक हेयर-ट्रिगर मानसिकता को जन्म देती हैं, जहां गलतफहमियाँ और अत्यधिक प्रतिक्रियाएँ परमाणु संघर्ष में बदल सकती हैं।

दोनों पक्षों से उत्तेजक बयानबाजी स्थिति को और अधिक बिगाड़ देती है, क्योंकि उनके संबंधित जनसंख्याओं के बीच राष्ट्रवादी भावनाएँ बढ़ती हैं, जिससे नेताओं के लिए संयम की वकालत करना कठिन हो जाता है, जबकि सैन्य कार्रवाई की मांग बढ़ रही होती है। पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध की भयावह संभावना क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता के लिए गहन चुनौतियाँ पेश करती है। एक संघर्ष को प्रारंभ में पारंपरिक झड़पों से वर्णित किया जा सकता है; हालाँकि, इसकी प्रचलित चिंता है कि ऐसा परिदृश्य तेजी से नियंत्रण से बाहर जा सकता है। पहले हमले की क्षमताएँ, सीमित परमाणु युद्ध सिद्धांतों के साथ मिलकर, संचार और गलतफहमी के जोखिम को बढ़ा देती हैं। नई तकनीकों का परिचय, जैसे साइबर युद्ध और कृत्रिम बुद्धिमत्ताकेवल जटिलता के स्तर को बढ़ाता है। एक ऐसे युग में जहाँ तात्कालिक संचार तात्कालिक प्रतिक्रियाओं को जन्म दे सकता है, गंभीर गलतियों की संभावना असाधारण रूप से बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, एक परमाणु संघर्ष के परिणाम तुरंत क्षेत्र से परे फैले होंगे। एक परमाणु विनिमय का मानवीय मोल विनाशकारी होगा। शहरों का राख में तब्दील होना, लाखों जीवन खोना, और अनगिनत अन्य लोग विकिरण के दीर्घकालिक परिणामों से प्रभावित होना, आधुनिक युद्ध की विनाशकारी क्षमताओं की भयावह यादें हैं।

दोनों राष्ट्रों की सामाजिक-आर्थिक संरचना संभवतः टूट जाएगी, जिससे गरीबी, स्वास्थ्य संकट, और पर्यावरणीय विनाश के चक्र उत्पन्न होंगे जो सदियों तक चल सकते हैं। इसके अलावा, तबाही से भागने वाले शरणार्थियों की वृद्धि अन्य देशों पर अत्यधिक दबाव डालेगी, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और संभावित अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप होगा।

जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के प्रतीक डॉ. मोहन यादव

गोविंद सिंह

मध्यप्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का जन्मदिवस प्रदेशवासियों के लिए केवल एक औपचारिक अवसर नहीं, बल्कि एक ऐसे जननायक के प्रति सम्मान और शुभकामनाएँ व्यक्त करने का दिन है, जिन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच, कुशल प्रशासनिक क्षमता और जनसेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता से प्रदेश की राजनीति और शासन व्यवस्था को नई दिशा दी है। उनका व्यक्तित्व एक ऐसे नेतृत्व का प्रतीक है जो विकास, संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता के मूल्यों को साथ लेकर आगे बढ़ता है। डॉ. मोहन यादव का राजनीतिक जीवन संघर्ष, समर्पण और निरंतर जनसेवा की भावना से परिपूर्ण रहा है। साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर प्रदेश के सर्वोच्च नेतृत्व तक पहुँचना उनके धैर्य, परिश्रम और संगठनात्मक क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज और राष्ट्र निर्माण की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के रूप में देखा है। यही कारण है कि वे आज प्रदेश की जनता के बीच एक कर्मठ और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में स्थापित हैं। मुख्यमंत्री के रूप में डॉ.यादव का दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से विकासोन्मुख और जनकल्याणकारी है।

गर्मियों की छुट्टियों में अपने साथ जरूर रखें ये 4 ब्यूटी प्रोडक्ट्स

गर्मियों का मौसम शुरू होते ही लोग परिवार और दोस्तों के साथ घूमने का प्लान बनाने लगते हैं। पहाड़ों या किसी ठंडी जगह पर जाना हर किसी को अच्छा लगता है, लेकिन इस मौसम में तेज धूप, पसीना, टैनिंग और सनबर्न जैसी समस्याएं त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में अगर आप कुछ जरूरी ब्यूटी प्रोडक्ट्स अपने साथ रखें, तो इन परेशानियों से काफी हद तक बच सकते हैं।

1. फेस वाइप्स

गर्मियों में पसीना और धूल-मिट्टी की वजह से चेहरा जल्दी गंदा और ऑयली हो जाता है। ऐसे में फेस वाइप्स बहुत काम आते हैं। ये

बिना पानी के भी चेहरे को तुरंत साफ और फ्रेश बना देते हैं। ट्रैवल के दौरान जब फेस वॉश उपलब्ध न हो, तब ये सबसे आसान उपाय है।

2. वॉटरप्रूफ काजल

गर्मी और पसीने में काजल फैलने की समस्या आम होती है इसलिए वॉटरप्रूफ काजल इस्तेमाल करना बेहतर रहता है। यह लंबे समय तक टिका रहता है और आंखों को साफ-सुथरा लुक देता है। कोशिश करें कि काजल की पतली लाइन लगाएं, इससे लुक नेचुरल भी लगता है और फैलने की संभावना भी कम रहती है।

3. ग्लिटर (नाखून और मेकअप के लिए)

अगर आप छुट्टियों में शाम को पार्टी या बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो ग्लिटर आपके लुक को खास बना सकता है। इसे नाखूनों या आंखों के मेकअप में इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे साधारण लुक भी आकर्षक और स्टाइलिश बन जाता है।

4. ड्राई शैम्पू

यात्रा के दौरान बाल धोने का समय नहीं मिल पाता। ऐसे में ड्राई शैम्पू बहुत मददगार होता है। यह बिना पानी के बालों से तेल सोखकर उन्हें साफ और फ्रेश दिखाता है। बस इसे स्कैल्प पर लगाएं और बाल तुरंत अच्छे दिखने लगते हैं।

निष्कर्ष:

गर्मियों में घूमने का मजा तभी पूरा आता है, जब आप खुद को फ्रेश और कॉन्फिडेंट महसूस करें। इसलिए अपने बैग में इन जरूरी ब्यूटी प्रोडक्ट्स को जरूर शामिल करें और बिना किसी चिंता के अपनी छुट्टियों का आनंद लें।

प्राकृतिक संसाधन: सृष्टि की साझा धरोहर, मानवता का नैतिक न्यास दायित्व

कैलाश चन्द्र

पृथ्वी पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन जल, वायु, वन, खनिज, मिट्टी, जीव-जंतु और ऊर्जा स्रोत मानवता की निजी संपत्ति न होकर संपूर्ण सृष्टि की साझा धरोहर हैं। यह विचार केवल नैतिक आग्रह नहीं है, बल्कि पृथ्वी के भूगर्भीय इतिहास, जैविक विकास और आधुनिक वैज्ञानिक समझ का गहन निष्कर्ष है। विज्ञान स्पष्ट करता है कि जिन ऊर्जा स्रोतों पर आधुनिक सभ्यता आधारित है, वे मानव जीवन की समय-सीमा में पुनः निर्मित नहीं हो सकते। पेट्रोलियम को बनने में पांच से 30 करोड़ वर्ष, कोयले को तीन से 40 करोड़ वर्ष और प्राकृतिक गैस को करोड़ों वर्षों का समय लगता है। पृथ्वी की विशाल प्रयोगशाला ने जिन्हें युगों में निर्मित किया, उन्हें मनुष्य यदि कुछ वर्षों के युद्ध, संघर्ष या लालच में नष्ट कर दे, तो यह न केवल वैज्ञानिक दृष्टि से मूर्खता है बल्कि नैतिक रूप से भी गंभीर अन्याय है। भारतीय चिंतन इस सत्य को प्राचीन काल से ही स्वीकार करता आया है। अथर्ववेद में कहा गया है ह्लमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याःह्व। अर्थात पृथ्वी हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं। इसका स्पष्ट अर्थ है कि पृथ्वी के उपहार किसी एक समाज, राष्ट्र या पीढ़ी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समस्त जीव जगत के लिए समान रूप से हैं। उपनिषद का वाक्य ह्लईशावास्यमिदं सर्वंह्व इसी भावना को और व्यापक बनाता है। यह सम्पूर्ण जगत किसी का निजी स्वामित्व नहीं, बल्कि साझा अस्तित्व है। आधुनिक भाषा में इसे वैश्विक साझा संसाधन कहा जा सकता है, जहाँ संसाधन किसी के स्वामित्व में नहीं बल्कि सबके उपयोग के लिए होते हैं। इसी आधार पर प्राकृतिक संसाधनों पर एकाधिकार का विचार मूलतः अमानवीय है। मनुष्य अधिकतम स्वयं को इन संसाधनों का संरक्षक

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं। आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है।

यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

बलिदान

"अभी देश को तुम्हारी जरूरत है कर्नल रमन।"
"और तुम्हें! तुम्हें मेरी जरूरत नहीं है श्री ?"
"है तो, पर तुम भूल रहे हो हम दोनों ही एक-दूसरे का दूसरा प्यार हैं।"
"हाँ पर..."
"हमारा पहला प्यार तुम्हें पुकार रहा है रमन, अगर आज तुमने इमर्जेंसी सायरन को अनसुना कर दिया तो मैं पूरी जिंदगी खुद को माफ नहीं कर पाऊँगी।"
"हाँ शायद तुम सच कह रही हो, चलता हूँ।"
सीढ़ियाँ उतरने के बाद रमन को याद आया तो लौटकर श्री से कहा,
"सुनो श्री, दरवाजा बंद कर लो और जब तक मैं नाम लेकर न पुकारूँ खोलना मत। टेररिस्ट यहाँ भी आ सकते हैं।"
"हाँ, नहीं खोलूँगी अब जाओ भी।"
जीप में बैठने पर रमन को इमर्जेंसी सायरन के बीच गोली चलने की आवाज आई। साथ ही याद आया कि जल्दबाजी में पिस्तौल तो वह बंगले में ही छोड़ आया। लौटकर आया तो,
दरवाजा हल्के से धक्के से खुल गया।
"शायद बंद करना भूल गयी श्री।" रमन मन ही मन बुदबुदाया, फिर श्री को आवाज लगाते हुये पुकारा।
"श्री...श्री..., मेरी पिस्टल... ?ह्व कहते हुये बेडरूम में कदम रखा, वहाँ का दृश्य देखते ही रमन की चीख निकल गयी।
उफ्फ, सामने खून से लथपथ श्री पड़ी थी। उसके सीधे हाथ में पिस्तौल और उल्टे हाथ मे एक चिट्ठी थी।
रमन ने चिट्ठी खोलकर देखी, जिसमें लिखा था,
ह्लरमन, मैं जानती हूँ गोली चलने की आवाज सुनकर तुम अंदर जरूर आओगे। मैं नहीं चाहती कि तुम मेरे कारण फर्ज से मुँह मोड़ लो। आज मुझे लगा कि मैं अनजाने ही सही तुम्हारे पैरों की बेड़ियाँ बन रही हूँ। इसलिए तुम्हें अपनी जिम्मेदारी से मुक्त करती हूँ। अब तुम जाओ, अगर लौटकर जिंदा आये तो तुम्हारे कंधे पर सवार होकर चलूँगी, नहीं तो एक ही अर्थी पर हमसफर बनकर।
चिट्ठी पर रमन के हाथ की पकड़ बढ़ गयी थी।

पूजा अग्निहोत्री
अनूपपुर (म. प्र.)

लोक परंपरा का महत्व और प्रासंगिकता

प्रयाग पाण्डे

कुमाऊं अंचल की सामाजिक परंपराएं, रीति-रिवाज और मान्यताएं विशिष्ट हैं। यहां के लोक जीवन में प्रकृति का गहरा प्रभाव है। यहां की अधिकांश परंपराएं और रीति - रिवाज प्रकृति पर आधारित हैं। कुमाऊं में ऋतु के अनुसार लोक पर्व मनाए जाते हैं। यहां विभिन्न ऋतुओं में अलग-अलग लोक पर्व मनाने की परंपरा है। वसंत ऋतु को ऋतुराज कहा जाता है। वसंत ऋतु का आगमन ठंड के मौसम के विदा होने का सूचक है। वसंत ऋतु में प्रकृति का सौंदर्य निखर जाता है। प्रकृति में नवचेतना जागृत हो जाती है। संपूर्ण वातावरण में उल्लास भर जाता है। ठंड के मौसम में हरियाली विहीन हो गए पेड़-पौधों में कोंपल, हरियाली और गुलाबीपन की छटाएं दृष्टिगोचर होने लगती हैं। संपूर्ण प्रकृति में यौवन की बहार फूटने लगती है। कुदरत के चारों ओर खुशियां बिखर जाती हैं। सरसों फूलने लगती है। रस भरे काफल के फलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। बुरांस के फूल अपनी मनमोहक छटा बिखरने को आतुर हैं। पेड़-पौधे बहुरंगी फूल-फलों से लद गए हैं तो समझिए कि वसंत ऋतु आ गई है। कुमाऊं की लोक संस्कृति में वसंत माने देवी की प्रतिमूर्ति समझी जाने वाली बेटी- बहनों को मान- सम्मान देने का मौसम। प्रकृति के इस नवयौवन को देख मानव मन भी हर्ष और उल्लास से भर जाता है। हर्षोल्लास की इस ऋतु में मानव को अपने प्रियजनों की याद सताने लगती है। विशेष अवसरों, तीज-त्यौहारों में अपने प्रियजनों की याद सबको सताती है, लेकिन वसंत भूली- बिसरी यादों को यकायक ताजा कर देता है। वसंत ऋतु में अपने प्रियजनों से भेंट करने की तीव्र इच्छा जागृत हो उठती है। भेंट करने की आकांक्षा को पूर्ण करने के लिए वसंत ऋतु में कुमाऊँ अंचल में अत्यंत आत्मीय और भावुक कर देने वाली परंपरा का निर्वहन किया जाता है, जिसे 'भिटौली' कहते हैं।

भिटौली का महीना यानी चैत्र के आते ही ब्याहता बेटी- बहनें ससुराल में अपने पिता और भाइयों की प्रतीक्षा करने लगती हैं। पहले के जमाने में पहाड़ में बाल्यावस्था में ही बच्चियों की शादी कर दी जाती थी। उस दौर में पहाड़ में यातायात और संचार के कोई साधन नहीं थे। अपनी बेटी -बहन से भेंट- मुलाकात बमुश्किल हो पाती थी। माता-पिता और भाई को सदैव अपनी बेटी-बहन की याद सताती रहती थी। बेटी-बहन से भेंट कर कुशल-क्षेम जानने और उन्हें सम्मानित करने के निमित्त 'भिटौली' नामक परंपरा ने जन्म लिया। चैत्र मास में पहाड़ में आमतौर पर मांगलिक कार्य नहीं होते हैं,लेकिन पहाड़ में इसे भिटौली का महीना माना जाता है। कुमाऊं में इस महीने विवाहिता बेटी-बहनों को भिटौली देने की प्राचीन परंपरा है।

भिटौली यानी उपहारों के साथ भेंट-मुलाकात, मान- सम्मान और इस बहाने बेटी-बहन की आशल - कुशल जानने की तीव्र जिज्ञासा।

भाई या पिता भिटौली देने के लिए बेटी-बहन के ससुराल जाते हैं। पहले से भिटौली की एक टोकरी ले जाई जाती थी, जिसे स्थानीय भाषा में 'छापरी' कहते हैं।

रिश्ते

होते हैं कुछ रिश्ते खास
जो दिल के पास है
कुछ पास होकर भी
बेगाने से लगते हैं
कुछ ने दर्द में संभाला है
मुझे अपना बनाया है
कुछ ने मुखोटे लगा लगा कर
कई बार छला है
कुछ रिश्तो में सागर सी गहराई है
जिन में डूब कर सच्चाई मैंने पाई है
कुछ अपनों ने किया रिश्तो से बेईमानी
धीरे-धीरे कीमत उनकी खो गई
अपनों में गैरों की झलक देखी है
परायो में रिश्तो की मिठास देखी है
साथ देते जो सफर में तेरे
अपना उन्हें ही बनाया है
नकाब के पीछे छिपे चेहरे को
अब देख पाई है
कहते हैं रिश्तों की डोर होती है
बड़ी नाजुक
गांठ पड़ते उसमें देर
कहां लगती

अर्चना तिवारी
वडोदरा, गुजरात।

देश का निर्यात लगातार ऊपर की ओर, व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास तेज : जितिन

नई दिल्ली । देश का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लगातार ऊपर की ओर बढ़ता जा रहा है, जो अप्रैल से जनवरी के दौरान 714.73 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। यह भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों और कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच देश के लचीलेपन को दशार्ता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार ने वैश्विक व्यापार उपस्थिति बढ़ाने के लिए निर्यात इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया है। प्रसाद ने कहा कि भू-राजनीतिक व्यवधानों से उत्पन्न निर्यात जोखिम कम करने के लिए "रिलीफ" स्कीम शुरू की गई है। इससे भारत का कुल निर्यात चालू वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-जनवरी) में बढ़कर 714.73 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। लोकसभा में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार वस्तुओं और सेवाओं के कुल निर्यात में 5.26 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 679.02 अरब अमेरिकी डॉलर

के मुकाबले 36 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी है। उन्होंने कहा कि देश का व्यापारिक प्रदर्शन सुदृढ़ और गतिशील बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-जनवरी) और दीर्घकालीन अवधि वित्त वर्ष 2021-25 दोनों में निर्यात में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है। वैश्विक अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और अस्थिर वस्तु कीमतों के बावजूद, भारत का निर्यात व्यापक रूप से बढ़ता रहा है। प्रसाद ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल-जनवरी के दौरान वस्तुओं और सेवाओं का कुल निर्यात 36 अरब डॉलर बढ़कर 714.73 अरब डॉलर हो गया, जो वित्त वर्ष 2024-25 अप्रैल-जनवरी के 679.02 अरब डॉलर से 5.26 फीसदी की वृद्धि दशार्ता है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2024-25 की अवधि में निर्यात में 6.9 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई, जिसके परिणामस्वरूप निर्यात मूल्य वित्त वर्ष 2020-21 में 497.90 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 828.25 अरब डॉलर हो गया। जितिन प्रसाद ने कहा कि यह निरंतर विस्तार भारत की विविध और गतिशील निर्यात वृद्धि को बनाए रखने की क्षमता रेखांकित करता है, जिससे चुनौतीपूर्ण बाहरी परिस्थितियों में भी भारत वैश्विक व्यापार में एक सशक्त देश के रूप में बना हुआ है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि भारत सरकार ने जिला स्तरीय निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए जिला निर्यात केंद्र पहल का विस्तार किया है। उन्होंने बताया कि जिला निर्यात केंद्र पहल के तहत सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य निर्यात संवर्धन समितियों (एसईपीसी) और जिला निर्यात संवर्धन समितियों (डीईपीसी) के रूप में तंत्र गठित किए गए हैं।

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन के इस्तीफे में उठाए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी कंपनी नियुक्त की

नई दिल्ली । देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था।

साई पैरेंटेरल्स का आईपीओ खुला, 27 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल फॉर्मेशन तैयार करने वाली कंपनी साई पैरेंटेरल्स लिमिटेड का 408.79 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक 27 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि एक अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर दो अप्रैल को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। दोपहर 12 बजे तक इस आईपीओ के लिए 988 आवेदनों के जरिये दो प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आ चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 372 से लेकर 392 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 38 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,896 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,93,648 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 494 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं।

विनिर्माण क्षेत्र में स्टार्टअप नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ब्लू स्टार के साथ करार

नई दिल्ली । भारत के विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने मंगलवार को अग्रणी एयर कंडीशनिंग कंपनी ब्लू स्टार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य देश भर में स्टार्टअप और उद्यमियों का समर्थन करना है। डीपीआईआईटी के उप सचिव टीएलके सिंह और ब्लू स्टार लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बी थियागराजन ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य एचवीएसी प्रौद्योगिकियों, डिजिटल समाधानों, उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं और आपूर्ति श्रृंखला नवाचार जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे उत्पाद स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य संरचित उद्योग सहभागिता के माध्यम से स्टार्टअप्स को बढ़ावा और उद्योग-प्रासंगिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है।

स्टॉक मार्केट में आरआईआईटी की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से समर्थित राजमार्ग इन्फ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी ने इश्यू प्राइस 100 रुपये प्रति यूनिट तय किया था। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग आठ प्रतिशत प्रीमियम के साथ 108 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर सात प्रतिशत के साथ 107 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव

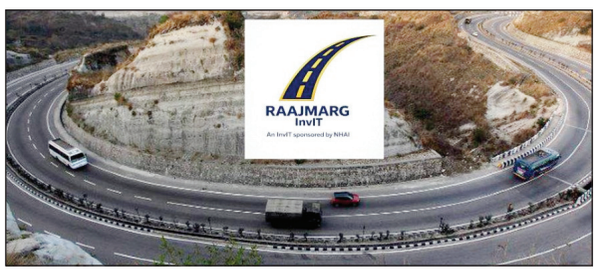

बनने पर ये 105.30 रुपये तक लुढ़क गया। हालांकि इसके बाद लिवाली शुरू हो जाने पर इसकी स्थिति में सुधार भी हुआ। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 106.83 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 106.88 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 6.80 प्रतिशत से अधिक का फायदा हो गया। राजमार्ग इन्फ्रा इनवेस्टमेंट ट्रस्ट (आरआईआईटी) का 6,000 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 13.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 19.14 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था।

जीएसपी क्रॉप साइंस की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली । एग्रोकेमिकल सेक्टर में काम करने वाली कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस के शेयर आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करने में सफल रहे। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 320 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 332.30 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 328 रुपये के स्तर हुई। इस तरह कंपनी के शेयर करीब तीन प्रतिशत का लिस्टिंग गेन पाने में सफल रहे। लिस्टिंग के बाद से ही इस शेयर के भाव में लगातार उतार चढ़ाव होता

रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये 363.60 रुपये के स्तर तक पहुंच गया और बिकवाली का दबाव बनने पर 327.35 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर बीएसई पर 356.10 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 356.25 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 11.25 प्रतिशत से अधिक का फायदा हो गया। जीएसपी क्रॉप साइंस का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.64 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

देश के बैंकों ने लावारिस 60,518 करोड़ रुपये आरबीआई कोष में भेजे : पंकज चौधरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने 60,518 करोड़ रुपए की बिना दावा वाली राशि जनवरी के अंत तक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 'खाताधारकों की शिक्षा एवं जागरूकता कोषह्ण (डीईए) में स्थानांतरित की है।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने संसद के उच्च सदन राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीमा कंपनियों के पास फरवरी के अंत तक दावा न की गई बीमा राशि 8,973.89 करोड़ रुपए थी। साथ ही सेबी नियमों के तहत म्युचल फण्ड में दावा न की गई राशि का मूल्य 3,749.34 करोड़ रुपए था। पंकच चौधरी ने सदन को बताया कि वित्तीय क्षेत्र के नियामकों ने लावारिस वित्तीय संपत्तियों के लिए कई कदम उठाए हैं। इन उपायों का मुख्य लक्ष्य सही दावेदारों की पहचान को समय पर सुनिश्चित करना है। इसका उद्देश्य लावारिस संपत्तियों के मौजूदा स्टॉक को कम करना भी है। इसके साथ ही इसमें नई लावारिस राशियों के जमा होने को भी रोकना शामिल है।

शेयर बाजार में दिन भर होता रहा जोरदार उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार के आज के कारोबार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव होता रहा। बाजार में आज हुए इस जोरदार उतार चढ़ाव के लिए मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी जंग की स्थिति को लेकर अमेरिका और ईरान की ओर से अलग-अलग तरह के आ रहे बयान और इसकी वजह से बनी अनिश्चितता की स्थिति तथा कच्चे तेल की कीमत में लगातार जारी उतार-चढ़ाव को माना जा रहा है।

आज के कारोबार की शुरूआत ही लगभग दो प्रतिशत की तेजी के साथ हुई थी, लेकिन शुरूआती 15 मिनट के कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में

बड़ी गिरावट आ गई। सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से करीब 900 अंक लुढ़क गया और निफ्टी भी ओपनिंग लेवल से 130 अंक से अधिक टूट गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे बाजार की स्थिति सुधरती हुई नजर आई, लेकिन यह तेजी भी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। कुछ देर तक रिकवरी होने के बाद दोबारा बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 1,120 अंक से अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी भी ओपनिंग लेवल से 250 अंक से अधिक लुढ़क गया।

रिंकू सिंह बने केकेआर के उप कप्तान, फ्रेंचाइजी ने जताया भरोसा

कोलकाता। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बड़ा फैसला लेते हुए स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया है। फ्रेंचाइजी ने इस घोषणा के साथ रिंकू पर अपने भरोसे को दोहराया है, जो पिछले कुछ सीजन से टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं।

28 वर्षीय रिंकू सिंह ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग से केकेआर को कई मैच जिताए हैं। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में उनके अनुभव को देखते हुए टीम प्रबंधन ने उन्हें नेतृत्व समूह में शामिल करने का फैसला लिया है।

इस मौके पर केकेआर के सीईओ वेंकी

मैसूर ने कहा कि फ्रेंचाइजी रिंकू को उपकप्तान बनाए जाने पर बेहद खुश है। उन्होंने बताया कि रिंकू 2018 से टीम का हिस्सा हैं और लगातार टीम के महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। रिंकू की नियुक्ति ऐसे समय हुई है जब टीम नए सीजन के लिए अपनी रणनीति मजबूत कर रही है। उपकप्तान के रूप में उनकी भूमिका न केवल मैदान पर बल्कि ड्रेसिंग रूम में भी अहम होगी, जहां वह युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देंगे। केकेआर को उम्मीद है कि रिंकू सिंह का अनुभव और आक्रामक खेल इस सीजन टीम को खिताब की दौड़ में मजबूत बनाएगा।

सीएसके ने रैना और हेडन को हॉल ऑफ फेम अवार्ड से सम्मानित किया

चेन्नई (एजेंसी)। पांच बार कि आईपीएल खिताब विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने आईपीएल के 19 वें सत्र की शुरुआत से पहले प्रतिष्ठित हॉल ऑफ फेम पुरस्कार दिये। चेपॉक स्टेडियम में आयोजित 'रोर 26' नाम के एक कार्यक्रम में ये पुरस्कार टीम के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सुरेश रैना और मैथ्यू हेडन दो दिया गया। रैना, सीएसके में ÷चिन्ना थाला÷ के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। वह सीएसके की ओर से सबसे बड़े मैच विजेता माने जाते हैं। उन्होंने साल 2008 से 2021 तक टीम की ओर से 2010, 2011, 2018 और 2021 में जीत हासिल की है। रैना अभी भी सीएसके के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 5,529 रन बनाए, जिसमें 2 शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने 2014 चैंपियंस लीग टी20 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबा हेडन ने साल 2008 से 2010 तक सीएसके की ओर से खेलते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हेडन साल 2009 में सीएसक की ओर से औरेंज कैप जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने 572 रन बनाए थे। उन्होंने सीएसके की ओर से कुल 1,117 रन बनाए और 8 अर्धशतक लगाए। वह 2010 में आईपीएल जीतने वाली टीम में भी शामिल थे। 'रोर 26' इवेंट इस समारोह में मुथेया मुरलीधरन , अंबाति रायडू सहित पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हुए।

आईपीएल 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स को झटका

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 शुरू होने से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट ने इस सीजन से नाम वापस ले लिया है। टीम सूत्रों के अनुसार डकेट ने फ्रेंचाइजी को पहले ही सूचित कर दिया है कि वह इस बार उपलब्ध नहीं रहेंगे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने उनके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है, जिसकी घोषणा जल्द की जा सकती है। डकेट को आईपीएल नीलामी में 02 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और वह केएल राहुल के साथ पारी की शुरूआत करने वाले थे। हालांकि, उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए यह फैसला लिया है। हाल ही में खेले गए एशेज सीरीज में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने 221 रन बनाए और उनका औसत करीब 20 रहा। इसके अलावा, वह टी20 वर्ल्ड कप 2026 टीम का हिस्सा तो थे, लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला। डकेट ने इस फैसले को कठिन बताते हुए कहा कि वह दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने इसे दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग बताया और भविष्य में खेलने की उम्मीद भी जताई, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उम्र के इस पड़ाव पर वापसी आसान नहीं होगी। दिल्ली कैपिटल्स अपना पहला मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 1 अप्रैल को खेलेगी। यह मैच एकाना क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।

बेंगलुरु में आईपीएल मैच: सुरक्षा के लिए एआई तकनीक, टिकट की बिक्री शुरू

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन के आगाज से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) प्रबंधन ने मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सुरक्षा, टिकट व्यवस्था और टीम की तैयारियों को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की। प्रेस वार्ता में उपाध्यक्ष राजेश मेनन ने राज्य सरकार के सहयोग के लिए आभार जताते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार और गृह मंत्री जी. परमेश्वर के मार्गदर्शन में सभी सुरक्षा इंतजाम कड़ाई से लागू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस बार एम. चिन्नस्वामी स्टेडियम में सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। स्टेडियम के अंदर और बाहर सीसीटीवी के साथ एआई आधारित कैमरे लगाए गए हैं, जो भीड़भाड़ वाले इलाकों की पहचान कर तुरंत अलर्ट देंगे। इसके अलावा दो कंट्रोल सेंटर स्टेडियम परिसर में और एक पुलिस आयुक्त कार्यालय में स्थापित किया गया है।

मुझे 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम पसंद नहीं है, आईपील2026 से पहले अक्षर पटेल ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स (DC) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम 10 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में ऑलराउंडरों की भूमिका को कम कर देता है, जिसका 19वां सीजन 28 मार्च से शुरू हो रहा है।

'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को 2023 में लागू किया गया था जो सभी 10 IPL टीमों को मैच की किसी भी पारी में एक बल्लेबाज या गेंदबाज को बदलने की अनुमति देता है। अक्षर ने कहा, 'सच कहूं तो, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं। पहले, आप बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए एक ऑलराउंडर को चुनते थे। लेकिन इस नियम की वजह से, टीम मैनेजमेंट किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को चुनता है, यह सोचकर कि 'हमें ऑलराउंडर की क्या ज़रूरत है?' क्योंकि मैं एक ऑलराउंडर हूं, इसलिए मुझे यह नियम पसंद नहीं है। साथ ही, नियम तो नियम होते हैं और हमें उनका पालन करना होता है। हालांकि, व्यक्तिगत दृष्टिकोण से मुझे यह नियम पसंद नहीं है।' DC अपना IPL 2026 अभियान एक अप्रैल को एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ शुरू करेगा। यह पहली बार नहीं है जब अक्षर ने इस नियम के बारे में अपनी नाराजगी जाहिर की है। 2024 में छ्ष्ट के उप-कप्तान के तौर पर अक्षर ने कहा था कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से उनकी बल्लेबाजी की पोजिशन प्रभावित हुई थी। IPL करियर में 7.3 की इकॉनमी रेट होने के बावजूद अक्षर का पिछला साल गेंदबाज़ी के लिहाज़ से सबसे कमज़ोर रहा - 2019 में DC में शामिल होने के बाद से यह उनका सबसे खराब सीजन था। उन्होंने 11 पारियों में 8.5 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और सिर्फ 5 विकेट लिए। उन्होंने साफ किया कि पिछले साल गेंदबाजी में उनका खराब प्रदर्शन 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की वजह से नहीं, बल्कि 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सफल अभियान के दौरान लगी उंगली की चोट की वजह से था।

अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप तैयारियों को झटका, दो डिफेंडर चोटिल, स्क्वाड में बदलाव

नई दिल्ली/फीफा विश्व कप 2026 की तैयारियों के बीच अर्जेंटीना को बड़ा झटका लगा है। टीम के दो अहम डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी और गोंजालो मोंटिएल चोट के कारण मार्च-अप्रैल में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों से बाहर हो गए हैं।

लियोनार्डो बालेरदी को पिंडली (काफ) में चोट लगी है, जबकि गोंजालो मोंटिएल मांसपेशियों की समस्या से जूझ रहे हैं। मोंटिएल हाल ही में रिवर प्लेट के लिए खेलते हुए पेनल्टी पर गोल करने के बाद मैच के दौरान चोटिल हो गए थे और उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। जांच में पता चला कि उनके बाएं पैर की मांसपेशी (बाइसेप्स फेमोरिस) में ग्रेड-1 की चोट है। मोंटिएल 2022 कतर विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना टीम के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं, ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी टीम के लिए बड़ी चिंता का विषय है। हालांकि, मुख्य कोच लियोनेल स्कॉलोनी ने अभी तक उनके स्थान पर किसी खिलाड़ी की घोषणा नहीं की है।

वहीं बालेरदी की जगह टीम में लुकास मार्टिनेज क्वार्ता को शामिल किया गया है। वह 2024 कोपा अमेरिका जीतने वाली टीम का हिस्सा रह चुके हैं और इस मौके को विश्व कप 2026 टीम में जगह बनाने के अंतिम प्रयास के रूप में देखेंगे। अर्जेंटीना को इस विंडो में स्पेन और कतर के खिलाफ मुकाबले खेलने थे, लेकिन पश्चिम एशिया में तनाव के चलते कतर फुटबॉल फेस्टिवल को स्थगित कर दिया गया। अब टीम 27 मार्च को मॉरिटानिया और पांच दिन बाद जाम्बिया के खिलाफ मुकाबले खेलेगी। दोनों मैच ब्यूनस आयर्स स्थित ला बॉम्बनेरा स्टेडियम में होंगे।

एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर के लिए भारत की 23 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर मुकाबले के लिए 23 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। इस टीम में पिछली टीम की तुलना में 14 बदलाव किए गए हैं, जिससे साफ है कि कोच नई रणनीति के साथ उतरना चाहते हैं। इस टीम में अल्बिनो गोम्स और

बिजॉय वर्गीज को सरप्राइज एंट्री मिली है। अल्बिनो गोम्स लगभग एक दशक बाद राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं, जबकि बिजॉय वर्गीज को अभी तक सीनियर टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है।

हालांकि भारत के लिए इस मुकाबले में सिर्फ प्रतिष्ठा दांव पर होगी, क्योंकि टीम पहले ही एशियन कप की रेस से बाहर हो चुकी है। अब तक खेले गए मुकाबलों में भारत को तीन हार और दो ड्रॉ मिले हैं, जबकि एक भी जीत हासिल नहीं हुई है। पिछले मैच में भारत को हांगकांग के खिलाफ 0-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

यह मुकाबला केरल के कोच्चि स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेला जाएगा। करीब 10 साल बाद इस मैदान पर भारतीय पुरुष टीम का अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित हो रहा है। इससे पहले यहां भारत और तुर्कमेनिस्तान के बीच फीफा विश्व कप क्वालीफायर खेला गया था।

एलएसजी खिलाड़ियों ने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन ने शनिवार सुबह राम मंदिर अयोध्या पहुंच कर रामलला के दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ ग्लोबल क्रिकेट डायरेक्टर टॉम मूडी, मुख्य कोच जस्टिन लैंगर, सहायक कोच भारत अरुण और टीम के कप्तान रिषभ पंत समेत कई खिलाड़ियों ने विधिवत पूजा की। टीम के अन्य खिलाड़ियों में मयंक यादव, हिम्मत सिंह, आकाश सिंह, अक्षत रघुवंशी, प्रिंस यादव, अर्शीन कुलकर्णी, नमन तिवारी और मुकुल चौधरी भी मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्रीराम के चरणों में नमन कर सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। डॉ. गोयनका ने कहा कि भगवान राम का आशीर्वाद मिलने से सभी कार्य सफल होते हैं और सभी ने उनकी शरण में आकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर प्रबंधन की ओर से खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सपोर्ट स्टाफ को प्रसाद तथा रामनामी अंगवस्त्र भेंट किए गए और राम दरबार के दर्शन भी कराए गए। मंदिर परिसर में रिषभ पंत और अन्य खिलाड़ियों को देखकर प्रशंसकों में उत्साह देखने को मिला और लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली। इस बीच, टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों ने ईद का त्योहार भी आपसी सौहार्द के साथ मनाया। सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस अवसर पर मोहम्मद शमी,मोहसिन खान,आवेश खान,शाहबाज अहमद और अब्दुल समद सहित अन्य खिलाड़ियों ने भी एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और विशेष व्यंजनों का आनंद लिया।

एकता कपूर लॉन्च करेंगी 'हुनर' कलाकारों को मिलेगा नया मंच

टीवी और फिल्म इंडस्ट्री को कई बड़े सितारे देने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर अब टैलेंट मैनेजमेंट की दुनिया में भी कदम रख रही हैं। उनके नेतृत्व वाली कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने नए टैलेंट मैनेजमेंट वेंचर 'हुनर' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह नई कंपनी खास तौर पर कलाकारों को निखारने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कहानी कहने और परफॉर्मेंस के कल्चर को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई है। 'हुनर' का मकसद बॉलीवुड और भारतीय टेलीविजन के स्थापित कलाकारों के साथ-साथ नए क्रिएटर्स और एक्टर्स को भी एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना है, जहां उन्हें सही दिशा और मौके मिल सकें।

कंपनी के अनुसार, यह प्लेटफॉर्म टैलेंट को सिर्फ रिप्रेजेंट करने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कलाकारों की आर्टिस्टिक ग्रोथ पर भी काम करेगा। यहां कलाकारों को सही गाइडेंस, बेहतर अवसर और एक क्रिएटिव माहौल दिया जाएगा, जिससे वे अपने हुनर को निखार सकें और यादगार कहानियों का हिस्सा बन सकें। नए वेंचर के बारे में बात करते हुए एकता कपूर ने कहा कि बालाजी टेलीफिल्म्स में हमेशा से यह विश्वास रहा है कि टैलेंट तभी चमकता है, जब उसे सही माहौल और प्रोत्साहन मिले। उनके मुताबिक, 'हुनर' के जरिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने की कोशिश है, जहां कलाकारों को सिर्फ मैनेज नहीं किया जाएगा, बल्कि उन्हें समझा भी जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी का मकसद कलाकारों को सोच-समझकर गाइडेंस देना, उनकी खूबियों के हिसाब से मौके तलाशने में मदद करना और उनके लंबे समय तक विकास में साथ देना है। एकता के अनुसार, यह पहल कलाकारों को एक्सपेरिमेंट करने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का मौका देगी। इस नए वेंचर के लॉन्च को सेलिब्रेट करने के लिए मुंबई के प्रतिष्ठित फेयरमोंट मुंबई में एक एक्सक्लूसिव 'हुनर लॉन्च पार्टी' का आयोजन किया जाएगा। इस खास शाम में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री के कई दिग्गज सितारे, क्रिएटर्स, इंडस्ट्री लीडर्स और मीडिया से जुड़े लोग शामिल होंगे। एकता कपूर लंबे समय से नए टैलेंट को मौका देने के लिए जानी जाती हैं। उनके प्रोडक्शन हाउस ने इंडस्ट्री को कई बड़े कलाकार दिए हैं। ऐसे में 'हुनर' के जरिए वह अपने इसी विजन को और आगे बढ़ा रही हैं। इस पहल के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स न सिर्फ कहानी कहने की अपनी विरासत को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में कलाकारों के लिए एक ऐसा मंच भी तैयार कर रहा है, जहां वे सीख सकें, बढ़ सकें और अपनी पहचान बना सकें।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया भट्ट

करण बोले- मुझे तुम पर गर्व है

बॉलीवुड में लंबे समय से 'इनसाइडर वर्सेस आउटसाइडर' की बहस चलती रही है। ऐसे में जब भी कोई बड़ा स्टार नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की बात करता है तो वह चर्चा का विषय बन जाता है। अब इसी कड़ी में अभिनेत्री आलिया भट्ट का बयान सामने आया है, जिसने इस बहस को एक नई दिशा दे दी है। आलिया ने कहा कि वह अपने प्रोडक्शन के जरिए आउटसाइडर्स को लॉन्च करेंगी। दरअसल, आलिया भट्ट शुक्रवार को अपनी नई प्रोडक्शन फिल्म 'डॉट बी शाई' के लॉन्च इवेंट में शामिल हुई थीं। यह फिल्म अमेजन के ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो के एक बड़े इवेंट के दौरान पेश की गई, जहां कई बड़े प्रोजेक्ट्स की घोषणा भी हुई। इसी दौरान स्टेज पर आलिया और फिल्ममेकर करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत देखने को मिली, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। इवेंट में करण जौहर ने हल्के-फुल्के अंदाज में आलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह अब एक समझदार और अनुभवी प्रोड्यूसर बन गई हैं। उन्होंने कहा, ''आलिया, आपने सच में प्रोड्यूसर होने की कला में महारत हासिल कर ली है, क्योंकि आपके जवाब मेरे सवालों से बहुत अलग लगते हैं।''

आलिया ने इसका जवाब देते हुए कहा, ''हां करण, क्योंकि एक्टर्स को लॉन्च करने का एक तरीका होता है।''

करण जौहर ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए मजाक में कहा कि शायद उन्हें एक्टर्स को लॉन्च करने के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। यह कहते हुए कि उन्होंने जब आलिया को अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के बारे में याद दिलाया और कहा कि उन्होंने इस फिल्म के जरिए उन्हें लॉन्च किया था तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा, ''अच्छा, मैं क्या कह सकती हूं? सबसे अच्छे लोगों ने हमें हमेशा सिखाया है कि हर चीज की एक टाइमिंग होती है।''

इसी दौरान करण जौहर ने एक अहम सवाल पूछा कि क्या आलिया जिन कलाकारों को लॉन्च करने जा रही हैं, वे 'आउटसाइडर्स' हैं। इस पर आलिया ने बिना किसी हिचकिचाहट के 'हां' कहा। यह जवाब सुनकर करण जौहर ने कहा कि मुझे आप पर गर्व है आलिया। अगर फिल्म 'डोन्ट बी शाई' की बात करें तो यह एक युवा लड़की श्यामिली 'शाई' दास की कहानी है, जो 20 साल की है और अपनी जिंदगी के सभी फैसले खुद करती है। उसे लगता है कि उसने सब कुछ प्लान कर लिया है, लेकिन अचानक उसकी जिंदगी में ऐसे बदलाव आते हैं जो उसे पूरी तरह से हिला देते हैं। यह कहानी एक साधारण लड़की के असाधारण सफर को दिखाती है, जिसमें भावनाएं, संघर्ष और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिलेगी। यह फिल्म आलिया भट्ट की कंपनी इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन और चॉकबोर्ड एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर बनाई जा रही है।

करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ने लिखा खास संदेश

मृणाल ठाकुर का फिल्मी करियर दस साल का हो गया है। उनकी पहली फिल्म 'लव सोनिया' आज से दस साल पहले रिलीज हुई थी। पहली ही फिल्म में मृणाल के अभिनय को पसंद किया गया था। अब आज इंडस्ट्री में अपने दस साल पूरे होने पर एक्ट्रेस ने 'लव सोनिया' के समय को याद किया। साथ ही उन्होंने 'लव सोनिया' के फैंस के लिए एक सरप्राइज भी दिया। 19 मार्च को अपनी पहली फिल्म 'लव सोनिया' और अपने करियर के 10 साल पूरे होने पर मृणाल ठाकुर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। पोस्ट में मृणाल ने अपने शुरुआती दिनों के बारे में एक बेहद निजी संदेश लिखा। फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'आज से दस साल पहले... मैंने पहली बार फिल्म सेट पर कदम रखा था। एक सपना, एक शुरुआत, एक ऐसा जीवन जिसकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। मैं हमेशा आभारी रहूंगी।'

इस दौरान अपनी पोस्ट में मृणाल ठाकुर ने फैंस के लिए खास घोषणा भी की। उन्होंने बताया कि 'लव सोनिया' के कुछ अनदेखे डिलीट किए गए सीन ऑनलाइन उपलब्ध कराए जाएंगे। एक्ट्रेस ने कहा कि 24 घंटे में पहली बार हम 'लव सोनिया' के नौ अनदेखे डिलीट किए गए सीन रिलीज करेंगे।

तबरेज नूरानी द्वारा निर्देशित 'लव सोनिया' 2016 में निर्माण शुरू होने के बाद 2018 में रिलीज हुई थी। वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म सोनिया की उस जर्नी को दर्शाती हैं, जिसमें वह अपनी बहन प्रीति को बचाने की कोशिश करती है। जिसे अंतरराष्ट्रीय यौन तस्करी में बेच दिया गया था। कहानी में तब एक भयावह मोड़ आता है, जब सोनिया खुद इस जाल में फंस जाती है।

वाराणसी के बाद संदीप रेड्डी वांगा की 'डेविल' में दिख सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बड़े बजट की फिल्म में उनके साथ प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्मी गलियारों में चर्चा तेज है कि 'वाराणसी' के बाद महेश निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ नई फिल्म कर सकते हैं। फिलहाल वह 'स्पिरिट' की तैयारियों में व्यस्त हैं, रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने 'डेविल' टाइटल से एक दमदार स्क्रिप्ट भी तैयार कर रखी है। बताया जा रहा है कि यह संभावित फिल्म एक इंटेंस और डार्क थ्रिलर हो सकती है।

मैं अपनी शर्तों पर जीती हूं, सिंगल रहना मेरी पसंद

अभिनेत्री दिव्या दत्ता पर्दे पर जितने दमदार तरीके से हर एक किरदार को पेश करती हैं, वास्तविक जिंदगी में भी अपनी बेबाकी और सच्चाई से भरी बातों के लिए जानी जाती हैं। इसी कड़ी में दिव्या समाज की पुरानी और पितृसत्तात्मक सोच पर खुलकर बात करती नजर आईं। खास बातचीत में दिव्या ने सिंगल रहने, शादी और मातृत्व को लेकर समाज की अपेक्षाओं पर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी इंसान की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता और हर किसी की कहानी अलग-अलग होती है। दिव्या से जब पूछा गया कि आज के समय में सिंगल रहना कितना मुश्किल है और क्या समाज अब भी मानता है कि कोई महिला शादी या बच्चे होने से ही 'पूरी' होती है, तो उन्होंने अपनी राय रखते हुए बताया, 'चाहे मेरे पास पार्टनर हो या मैं सिंगल हूं, मैं अपनी जिंदगी का मजा लेती हूं और यही सबसे ज्यादा मायने रखता है। मुझे लगता है कि हर इंसान की कहानी अलग होती है। यह आम राय बनाना कि पार्टनर होना अच्छा है या सिंगल रहना अच्छा है, यह किसी के लिए भी सही नहीं। जो आपके लिए सही काम करता है, वही सबसे बढ़िया है। मेरे लिए यह सही है और मैं इससे खुश हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरा स्पष्ट मानना है कि लोगों को दूसरों की जिंदगी के फैसलों पर राय नहीं बनानी चाहिए। अगर किसी को अच्छा पार्टनर मिल गया, तो उनके लिए सही है। अगर नहीं मिला, तो उन्हें जो सही लगे, वही करना चाहिए। आप किसी की जिंदगी को एक ही तराजू में नहीं तोल सकते। मेरी जिंदगी ऐसी ही रही है और मैं इसका मजा लेती हूं। इसलिए जो भी फैसले मैंने लिए, उन पर मुझे गर्व है।' समाज में आज भी मौजूद पितृसत्तात्मक सोच पर बात करते हुए दिव्या ने कहा, 'तरक्की के बावजूद ये पुरानी सोच बनी हुई है। शिक्षा का इससे कोई लेना-देना नहीं, यह बस एक सोच है। हर इंसान का सफर अलग होता है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए, न कि तुलना।

प्रियन सर के साथ काम करना मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा

अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की फिल्म 'भूत बंगला' में राजपाल यादव भी नजर आएंगे। तीनों की यह तिकड़ी पहले 'भूल भुलैया' में काम कर चुकी है। राजपाल कहते हैं कि 'भूत बंगला' की कहानी सिर्फ एक हॉरर कॉमेडी नहीं, बल्कि एक रहस्य से भरी दुनिया है। टीजर में दिखाया गया 'वधुसुर' और मंगलपुर की हवेली दरअसल उस बड़े रहस्य की झलक भर है।' करीब 25 साल के करियर में सैकड़ों किरदार कर चुके राजपाल खुद को आज भी छात्र ही मानते हैं। वह कहते हैं कि 'जब एक्टर किरदार की सोच को समझ लेता है तो उसकी बॉडी लैंग्वेज अपने आप बदल जाती है। मैं कभी किसी की नकल नहीं करता हूं।'

राजपाल बताते हैं कि, 'प्रियदर्शन के साथ मेरा रिश्ता दो दशक से भी पुराना है। मैंने कभी उनसे स्क्रिप्ट तक नहीं पूछी। जब भी उनका फोन आता है, सिर्फ यही कहते हैं- 'राजपाल, आना है...' तो मैं बिना कुछ पूछे सेट पर पहुंच जाता हूं।

इस फिल्म में हॉरर और कॉमेडी दोनों है। प्रियदर्शन सर के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में मनोरंजन का विज्ञान पढ़ने जैसा है। जहां हर एक्टर छात्र होता है।'

'छोटा पंडित' के बाद मेरा नया किरदार भी दर्शक पसंद करेंगे

'भूल भुलैया' के बाद से 'छोटा पंडित' के नाम से भी लोकप्रियता मिली। इस पर राजपाल का कहना है कि 'कोई दबाव महसूस नहीं होता। एक कलाकार के लिए हर किरदार 'रसगुल्ले' की तरह होता है, छोटा हो या बड़ा उसका स्वाद मीठा ही होता है।

'भूत बंगला' में भी मेरा किरदार बारीकी से गढ़ा गया है और प्रियदर्शन सर ने इसमें आम आदमी के ऐसे शेड्स दिए हैं, जिनसे दर्शक आसानी से जुड़ पाएंगे और पसंद भी करेंगे।'

'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर ही डर पैदा करता है

बकौल राजपाल, 'किसी भी फिल्म में लोकेशन सिर्फ एक जगह नहीं बल्कि एक किरदार होती है। जहां 'भूल भुलैया' की हवेली में राजपूताना ठाठ और रहस्य का माहौल था, वहीं 'भूत बंगला' की हवेली का आर्किटेक्चर और अंधेरा अपने आप में अलग तरह का डर पैदा करता है। प्रियदर्शन सर ने इसे ब्यूटीफुल हॉरर की तरह ट्रीट किया है, जिससे दर्शकों को लगेगा कि वे खुद उस बंगले के भीतर मौजूद हैं।'

अक्की पाजी के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा

अक्षय के साथ फिर से काम करने को लेकर राजपाल कहते हैं कि 'अक्की पाजी की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह हर वक्त लाइव एक्टर जैसे रहते हैं। कैमरा ऑन हो या ऑफ, सेट पर उनका एनर्जी लेवल वही रहता है। शॉट के बीच भी दोनों कलाकार लगातार रिहर्सल करते रहते हैं और सीन में छोटे-छोटे इम्प्रोवाइजेशन जोड़ते हैं ताकि सीन और ज्यादा जीवंत बन सके। अक्षय के साथ काम करना हमेशा रोलर कोस्टर जैसा अनुभव होता है।'

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर -8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No.HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः- 9499422208, Email:- Info@hindustanekta.com